Class : 9th
Subject : हिंदी
Chapter : 8
Chapter Name : एक कुत्ता और एक मैना

Q1 गुरुदेव ने शांतिनिकेतन को छोड़ कहीं और रहने का मन क्यों बनाया ?
Answer. गुरुदेव ने शांतिनिकेतन को छोड़कर और कहीं रहने का मन इसलिए बनाया क्योंकि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था और वह उनसे मिलने आने वाले लोगों से परेशान थे वह कुछ समय एकांत में शांति से बिताना चाहते थे।

Page : 84 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q2 मूक प्राणी भी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
Answer. नौकरानी भी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते यह बात पाठ के आधार पर स्पष्ट होती है। कुत्ता गुरुदेव का स्नेह पाने के लिए 2 मील का अनजान रास्ता तय करके उनके निकेतन आया और उनका स्पर्श पाकर आनंदित हो उठा और उनकी मृत्यु पर वह चिताभस्म लाने वालों के साथ चलता हुआ उत्तरायण तक आया और बड़ी शांति से वहां बहुत देर तक बैठा रहा।

Page : 84 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 गुरुदेव द्वारा मैना को लक्ष्य करके लिखी कविता के मर्म को लेखक कब समझ पाया ?
Answer. गुरुदेव द्वारा मैना को लक्ष्य करके लिखी कविता के वर्क को एक शाम तक समझ पाया जब उसने रविंद्रनाथ के कहने पर मैना को ध्यानपूर्वक देखा और उसके सामने मैना की करुणा पूर्ण चित्र सामने आ गया।

Page : 84 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q4 प्रस्तुत पाठ एक निबंध है। निबंध गद्य-साहित्य की उत्कृष्ट विधा है, जिसमें लेखक अपने भावों और विचारों को कलात्मक और लालित्यपूर्ण शैली में अभिव्यक्त करता है। इस निबंध में उपर्युक्त विशेषताएँ कहाँ झलकती हैं ? किन्हीं चार का उल्लेख कीजिए।

Answer.

1. प्रतिदिन प्रातः काल यह कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग स्वीकार नहीं करता। इतनी सी स्वीकृति पाकर ही उसके अंग अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है।
2. इस बिचारी को ऐसा कुछ भी शौक नहीं है,इसके जीवन में कहां गांठ पड़ी है, यह सोच रहा हूं।
3. उस समय भी न जाने किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया।
4. रोज फुदकती है ठीक ही आकर। मुझे इसकी चाल में एक करूण भाव दिखाई देता है।

edugross.com

Page : 84 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q5 आशय स्पष्ट कीजिए-
इस प्रकार कवि की मर्मभेदी दृष्टि ने इस भाषाहीन प्राणी की करूण दृष्टि के भीतर उस विशाल मानव-सत्य को देखा है, जो मनुष्य के अंदर भी नहीं देख पता।

Answer. प्रस्तुत पंक्ति के मध्य में कवि यह कहना चाहते हैं कि जब गुरुदेव ने कुत्ते की पीठ पर अपना हाथ फैरा तो कुत्ता स्नेह का अनुभव करना लगा। इसी के आधार पर में कुत्ते जैसे भाषा हीन के भीतर छिपे प्यार को देखते हैं जो मनुष्य के अंदर नहीं दिखाई पड़ता मनुष्य आज बहुत ज्यादा स्वार्थी और लोभी हो गया है।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 पशु-पक्षियों से प्रेम इस पाठ की मूल संवेदना है। अपने अनुभव के आधार ऐसे किसी प्रसंग से जुड़ी रोचक घटना को कलात्मक शैली में लिखिए।
Ans छात्र स्वयं करें।

Page : 85 , Block Name : रचना और अभिव्यक्ति

Q7

- गुरुदेव ज़रा मुस्करा दिए।
- मैं जब यह कविता पढ़ता हूँ।

ऊपर दिए गए वाक्यों में एक वाक्य में अकर्मक क्रिया है और दूसरे में सकर्मक । इस पाठ को ध्यान से पढ़कर सकर्मक और अकर्मक क्रिया वाले चार चार वाक्य छाँटिए।

Answer. सकर्मक क्रिया वाले वाक्य:-

1. बच्चों से जरा छेड़छाड़ की, कुशल क्षेम पूछे।
2. गुरुदेव ने उसकी पीठ पर हाथ फेरा।
3. हम लोग उस कुत्ते के आनंद को देखने लगे।
4. अधिकांश लोग बाहर चले गए थे।

असकर्मक क्रिया वाले वाक्य:-

1. वह हंसकर पूछते थे।
2. मैं चुपचाप सुनता जा रहा था।
3. देखो, कितनी परीतृप्ति इनके चेहरे पर दिखाई दे रही है।
4. हम लोगों को देख कर मुस्कुराए।

Page : 85 , Block Name : भाषा अध्ययन

edugross.com

Q8 निम्नलिखित वाक्यों में कर्म के आधार पर क्रिया -भेद बताइए।
(क) मीना कहानी सुनाती है।
(ख) अभिनव सो रहा है।
(ग) गाय घास खाती है।
(घ) मोहन ने भाई को गेंद दी।
(ड) लड़कियां रोने लगी।

Answer. (क) सकर्मक क्रिया
(ख) अकर्मक क्रिया
(ग) सकर्मक क्रिया
(घ) सकर्मक क्रिया
(ड) अकर्मक क्रिया

Page : 85 , Block Name : भाषा अध्ययन

Q9 नीचे पाठ में से शब्द-युग्मों के कुछ उदाहरण दिए गए हैं ; जैसे-
समय – असमय, अवस्था-अनवस्था
इन शब्दों में 'अ' उपसर्ग लगाकर नया शब्द बनाया गया है।
पाठ में से कुछ शब्द चुनिए और उसमे 'अ' एवं 'अन्' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए।
Answer. 'अ' उपसर्ग वाले शब्द:-
आरोग्य, असंभव, अहैतुक, अस्थान
'अन्' उपसर्ग वाले शब्द:-
अनुपस्थित, अनजान, अनभला, अंनुत्तर

Page : 85 , Block Name : भाषा अध्ययन

edugross.com